94	म्राटिशातः शरारिः स्या-	183
95	त्कृकणक्रकर्ग समा।	
96	भामे शकुतः	
97	कोषष्टी शिखरी तलकुकुभः ॥ १३३८ ॥	
98	पारापतः कलर्वः कपोता र्क्तलाचनः ।	
99	ज्योत्स्नाप्रिये चलचञ्चचकोर्विषसूचकाः ॥ १३३६ ॥	
1	त्रीवंत्रीवस्तु गुन्द्रालो विषद्र्यानमृत्युकः।	
2	व्याघारस्तु भर्द्वातः	
3	प्रवस्तु गात्रसंप्रवः ॥ १३४० ॥	
4	तितिरिस्तु खरकोणो	
5	क्रिगतस्तु मृदंक्रः।	
6	कार्गाडवस्तु मरुलः	
7	सुगृन्धञ्चसूचिकः ॥ १३८१ ॥	
8	कुम्भकार्कुकुरस्तु कुकुभः कुल्कस्वनः।	
9	पिताणा येन गृक्यते पिताणा जन्ये स दीपकः ॥ १३८२ ॥	
10	क्रेका गृद्याश्च ते गेव्हासका ये मृगपिदाणः।	
11	मत्स्या मीनः पृथुरामा कषा वैसारिणा पएडतः ॥ १३४३ ॥	85

94. Turdus ginginianus (3 W.). — 95. Perdix sylvatica (2 W.). — 96. ? (2 W.). — 97. Kibitz (3 W.). — 98. Taube (4 W.). — 99. Perdix rufa (4 W.). — 1. Eine Art Fasan (3 W.). — 2. Feldlerche (2 W.). — 3. Pelicanus fusicollis (2 W.). — 4. Eine Art Rebhuhn (2 W.). — 5. Columba hariala (2 W.). — 6. Eine Art Ente (2 W.). — 7. Sylvia sutoria (2 W.). — 8. Phasianus gallus (3 W.). — 9. Raubvogel. — 10. Hausthiere (2 W.). — 11—13. Fisch (16 W.).